जिन कुशल गुरु जो मिले

तर्ज - होठो से छु लो तुम

किस्मत पर नाज करू, जिन कुशल गुरु जो मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़, हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू.....

रोशन हुई दुनिया मेरी, जब आया गुरु की शरण,
तन मन धन करू जीवन, गुरु चरणों मे अर्पण,
जिंदगी का भरोसा क्या, दुबारा मिले न मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़, हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू.....

गुरु ग्यान की ज्योति है, अज्ञान तिमिर हर ले,
गुरु अनमोल मोती है, तू ध्यान जरा धर ले,
कोई प्रबल पुण्य से ही, गुरुदेव की भक्ति मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़, हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू.....

"दिलबर" ये तमन्ना है, कभी गुरुवर न रूठे,
जीवन की अंतिम सांस, गुरु चरणों मे छुटे,
फिर क्या मांगे नागेश, जो ऐसी सौगात मिले,
किस्मत पर नाज करू,जिन कुशल गुरु जो मिले,
हर कदम ये हाथ पकड़, हरपल मेरे साथ चले,
किस्मत पर नाज करू.....

गायक -नागेश कांठा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28103/title/jin-kushal-guru-jo-mile

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |